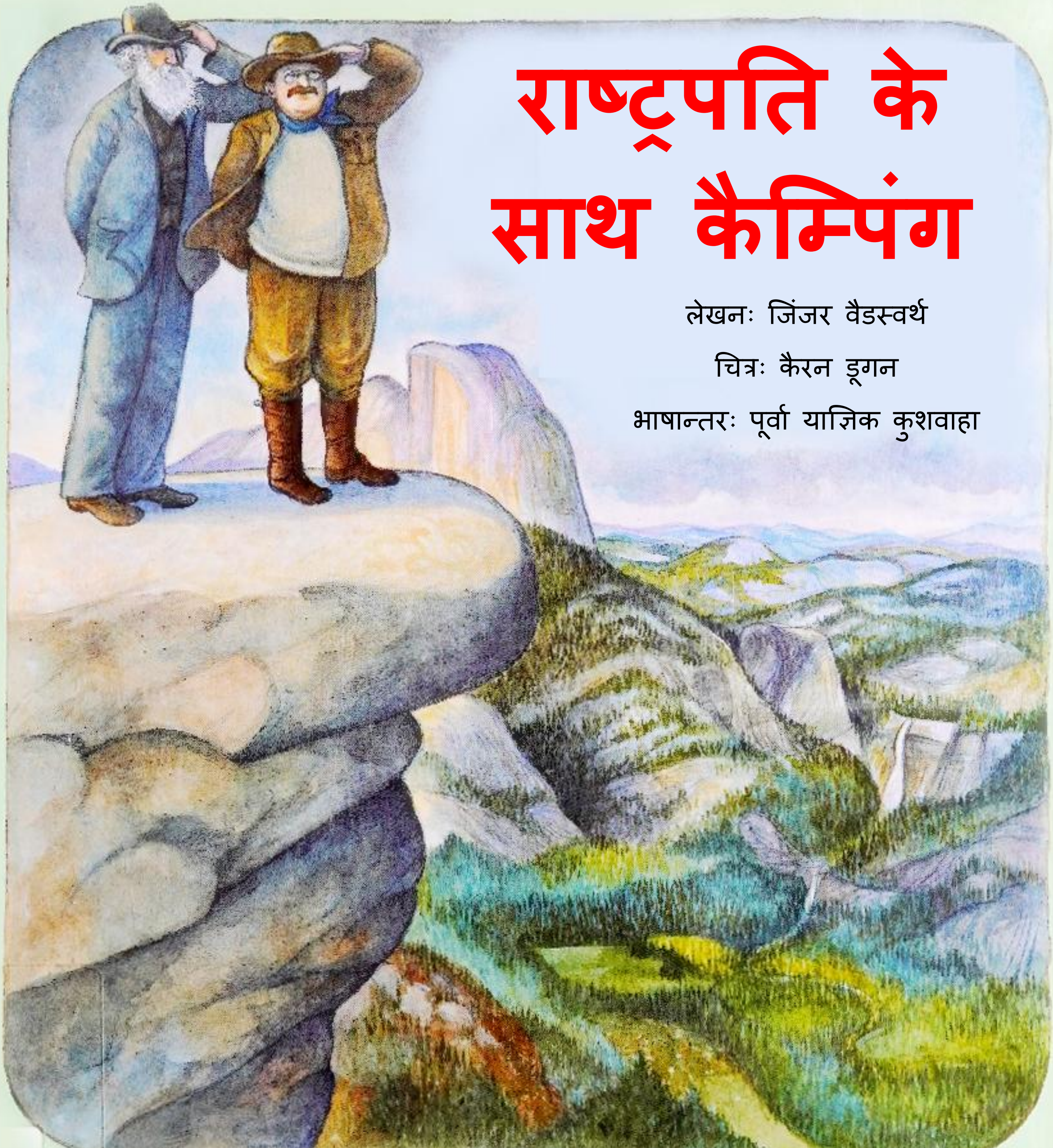
# राष्ट्रपति के साथ कैम्पिंग

लेखनः जिंजर वैडस्वर्थ

चित्रः कैरन डूगन

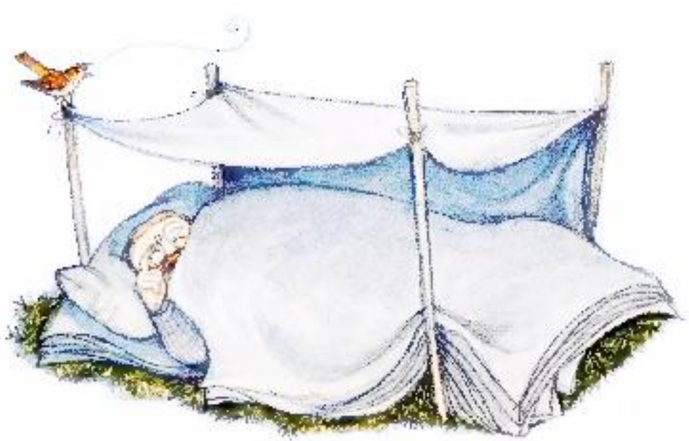
भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



किसी अमरीकी राष्ट्रपति की कैम्पिंग के लिए जाने की कल्पना करें। यह कल्पना ही आज असंभव लगती है। पर मई 1903 में राष्ट्रपति थियोडोर रूज़वैल्ट ने खुफ़िया सेवा के अपने अंगरक्षकों को दूर रहने को कहा, ख़बरनवीसों और गणमान्य लोगों को विदा कर दिया, ताकि वे विश्व विख्यात प्रकृति विज्ञानी जॉन म्यूर के साथ कैम्पिंग के लिए जा सकें। तीन अद्भुत रातें व चार दिन, इन दोनों ने कैलिफोर्निया के योसेमिटी राष्ट्रीय उद्यान में बिताए। उन्होंने पक्षियों, विशाल स्किवोया वृक्षों, हिमनदों, और जंगल के प्राकृतिक परिवेश को भावी पीढ़ियों के लिए बचाने के महत्व पर खूब चर्चा की। वे तारों के नीचे सोए, खुले में अलाव जलाए, घोड़ों पर सफ़र किया, और उस क्षेत्र के सौंदर्य और अनूठेपन का आनन्द लिया। "इट वाज़ बुली!" (यह अद्भुत था!), राष्ट्रपजि रूज़वैल्ट ने अंतिम सुबह म्यूर से विदा लेते समय कहा। नए राष्ट्रीय उद्यानों और स्मारकों के लिए स्थान तय करना, और आवंटित करना, रूज़वैल्ट के कार्यकाल की आधारशिला बना। यह उनकी इस कैम्पिंग यात्रा का प्रत्यक्ष नतीजा था।

लेखिका जिंजर वैडस्वर्थ, जिन्होंने योसेमिटी तथा म्यूर पर पहले भी लिखा था, तथा चित्रकार कैरन डूगन ने इस सत्य कथा पर विस्तृत शोध की। उन्होंने प्राथमिक दस्तावेज खंगाले और इस विषय के विशेषज्ञों से क़रीबी सम्पर्क था। *कैम्पिंग विद द प्रैसिडेंट* शीर्षक की यह पुस्तक बताती है कि योसेमिटी राष्ट्रीय उद्यान ने व उनके व्यक्तित्वों ने भी, दोनों को किस कदर प्रभावित किया।

# राष्ट्रपति के साथ कैम्पिंग



# राष्ट्रपति के साथ कैम्पिंग



लेखनः जिंजर वैडस्वर्थ, चित्रः कैरन डूगन

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

सिएरा नेवाडा के रत्न मायम काइम्स (1909-2020) की स्मृति में

- जे. डब्ल्यू.

मेरी अद्भुत मित्र डोरीन ओ'कॉनर के लिए, जिसने विनोद और उत्साह से मेरे इतिहास प्रेम का द्वार खोला

- के.डी.



राष्ट्रपति थियोडोर रूजवैल्ट अपने पसन्दीदा घोड़े रिनाउन पर सवार हुए और लगाम झटकी। वे और रिनाउन व्हाइट हाउस के अस्तबल से तेज़ी से निकले। वे तेज़ रफ्तार से अपनी रोज़मर्रा की घुड़सवारी के लिए सीधे जंगलों की दिशा में बढ़े। हमेशा की ही तरह उनके पीछे कई घोड़ों की टापें सुनाई देने लगीं। राष्ट्रपति ने सुनिश्चित किया कि खुफ़िया सेवा के उनके अंगरक्षकों को भी अपने घोड़े भरसक तेज़ दौड़ाने पड़े।

अमरीका के छब्बीसवें राष्ट्रपति को अपने काम में दिलचस्पी थी.. सिवा.. एक चीज़ के। उन्हें उस चीज़ की कमी खलती थी जिसे वे "कठोर जीवन" (स्ट्रैन्युअस लाइफ) कहते थे। वे चिड़ियों को पुकारने के लिए सीटी बजाते, निपट अकेले जंगलों में घूमना चाहते थे। उनका दिल करता था कि वे खुद लकड़ी काटें, या जंगली जानवरों का शिकार करें।

अधिकतर रात के समय वे पढ़ने के लिए कुछ वक़्त निकालते। उनकी पसन्दीदा क़िताबें प्रकृति के बारे में थीं। एक शाम व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ने जॉन म्यूर की ताज़ा-तरीन क़िताब *"आवर नैशनल पार्कस"* खत्म की। लेखक के कैलिफोर्निया स्थित योसेमिटी राष्ट्रीय उद्यान के वर्णन ने उन्हें मुग्ध कर दिया। उन्होंने योसेमिटी वादी को घेरने वाली तीन हज़ार फीट ऊँचे पहाड़ों की दीवार की कल्पना करने की चेष्टा की। वहाँ झरनों के अलावा ग्रेनाइट की, इमारतों से भी लम्बी चट्टानें थीं। उनके नाम भी आधा गुम्बद और उत्तरी गुम्बद जैसे थे। दूर पहाड़ों के शिखर आसमान में दस हज़ार फीट से भी ऊपर उठे हुए थे।



प्रकृति पर लिखे म्यूर के आलेख संकेत करते थे कि वे ऐसे व्यक्ति थे जिसकी भू-संरक्षण पर मज़बूत राय थी।

रूज़वैल्ट को जीवन्त चर्चा में मज़ा आता था। उन्होंने सोचा कि देश के जाने-माने संरक्षण विशेषज्ञ से बातचीत करना उत्तेजक होगा, साथ ही योसेमिटी की छानबीन करना भी।

वे ऐसा क्यों नहीं कर सकते? क्या वे समूचे संयुक्त राज्यों के राष्ट्रपति नहीं थे?

राष्ट्रपति ने अपनी कलम उठाई और इतनी तेज़ी से लिखना शुरु किया कि उनकी ऐनक नाक से नीचे खिसक कर नाचने लगी।

प्रिय मिस्टर म्यूर,

मैं पश्चिम आ रहा हूँ। मैं आपके साथ ऐसी कैम्पिंग यात्रा करने जाना चाहता हूँ, जिसमें कोई और न हो.. ''

अपने ख़त में राष्ट्रपति ने साफ़ किया कि वे 1903 के बसन्त में तथ्यों की खोज के लिए सफ़र करना चाहते हैं। दरअसल रूज़वैल्ट ने कभी सुदूर पश्चिम को देखा ही नहीं था। वे वहाँ के लोगों से मिलना चाहते थे, और वहाँ के प्राकृतिक संसाधनों, जैसे खनिजों, पेड़-पौधों, जल संसाधनों आदि के विषय में जानना चाहते थे। उनका मानना था कि इस यात्रा के बाद वे उस क्षेत्र के बारे में भविष्य के लिए बेहतर निर्णय ले सकेंगे।

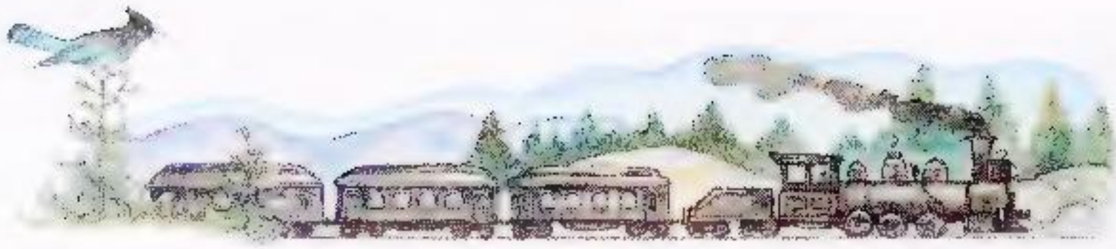
राष्ट्रपति ने म्यूर को बताया कि वे पहले यलोस्टोन नैशनल पार्क जाएंगे, तब ग्रैंड कैनयन व एरिज़ोना को देखने के बाद वे रेलगाड़ी से कैलिफोर्निया पहुँचेंगे। उन्होंने म्यूर से कहा कि वे योसेमिटी को उनके मार्गदर्शन में देखना चाहते हैं। इस दौरान वे गणमान्य लोगों से बचेंगे ताकि उन्हें म्यूर से बातचीत कर पाने का अवसर मिल सके।



राष्ट्रपति लिफ़ाफ़े पर अपनी आधिकारिक मुहर लगाते समय मुस्कुराए। कैम्पिंग का ख़याल उन्हें अद्भुत लगा! वे ख़ासतौर से कैलिफोर्निया के विशाल सिक्वोया वृक्षों को देखना चाहते थे, जो दुनिया की सबसे बड़ी सजीव वस्तुएं थीं। चार पूरे दिन योसेमिटी के जंगली इलाके में! राष्ट्रपति को उत्तेजना से चक्कर आने लगे।

उन्हें अब पश्चिम की यात्रा के लिए सही कपड़ों का इन्तज़ाम करना था।





कई महीनों बाद राष्ट्रपति की विशेष रेलगाड़ी कैलिफोर्निया के दक्षिण-पूर्व की ओर रफ्तार से बढ़ रही थी। तट पर ओकलैंड से रेलरोड लाइन के अंत तक, जहाँ रेमंड नामक एक छोटा कस्बा था।

''आप से मिल कर बहुत खुशी हुई,'' राष्ट्रपति थियोडोर रूज़वैल्ट ने म्यूर का हाथ ऊपर-नीचे हिलाते कहा।



जल्द ही रूज़वैल्ट और म्यूर तथा राष्ट्रपति के साथ आए लोगों को तीस मील दूर सिएरा नेवाडा के पहाड़ों की तलहटी में ले जाया गया। दोनों मारिपोसा के विशाल वृक्षों के कुंज में 'ग्रिज़ली जायन्ट', जो दुनिया का सबसे पुराना व विशाल सिक्वोया वृक्ष है, के सामने खड़े थे। म्यूर व रूज़वैल्ट के आजू-बाजू गणमान्य लोग खड़े हुए, जिनमें कैलिफोर्निया के गवर्नर जॉर्ज पारडी भी शामिल थे। उन्होंने कैमरों से फोटो खिंचवाए। पुफ्फ! कैमरों के फ्लैश ने कुछ पलों के लिए उन्हें अंधा ही कर दिया।

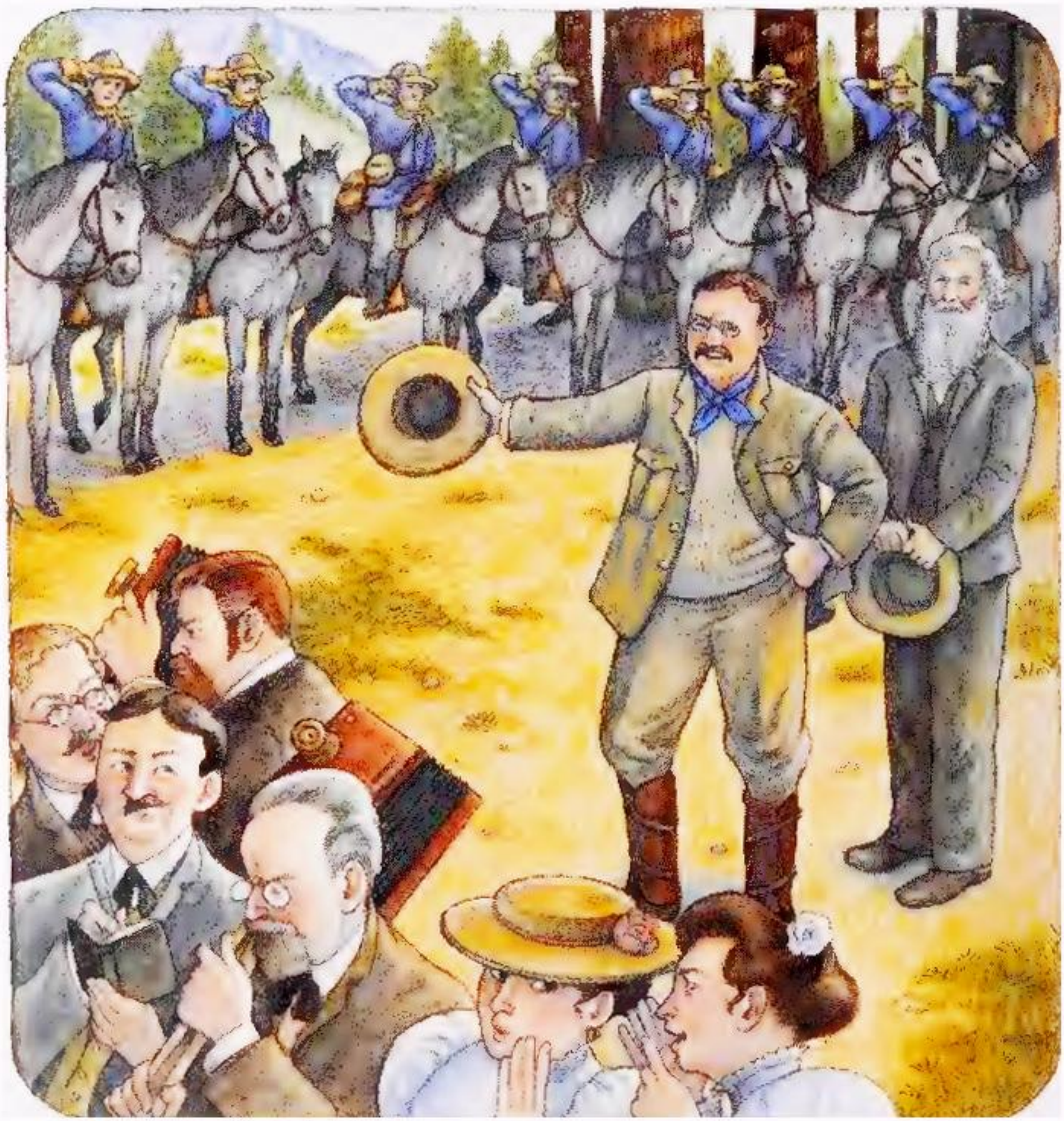



रूज़वैल्ट ने कैमरा के लिए अपनी मशहूर दंतियल मुस्कान दी। ख़बरनवीस ग्रिज़ली जायन्ट और कुंज के अन्य पेड़ों के बारे में लिखने वाले थे। पर उनके पास लिखने को और कुछ नहीं होने वाला था, क्योंकि राष्ट्रपति की उनसे मुलाक़ात करने की कोई योजना नहीं थी!

राष्ट्रपति ने ऐलान किया कि "मैं जॉन म्यूर के साथ योसेमिटी जाने को तैयार हूँ.. मैं चार दिनों के लिए राजनीति से पूरी तरह दूर रहूँगा.. ।" उन्होंने अपनी बात पर बल देने के लिए अपनी एक मुट्ठी दूसरे हाथ की हथेली पर मारी।

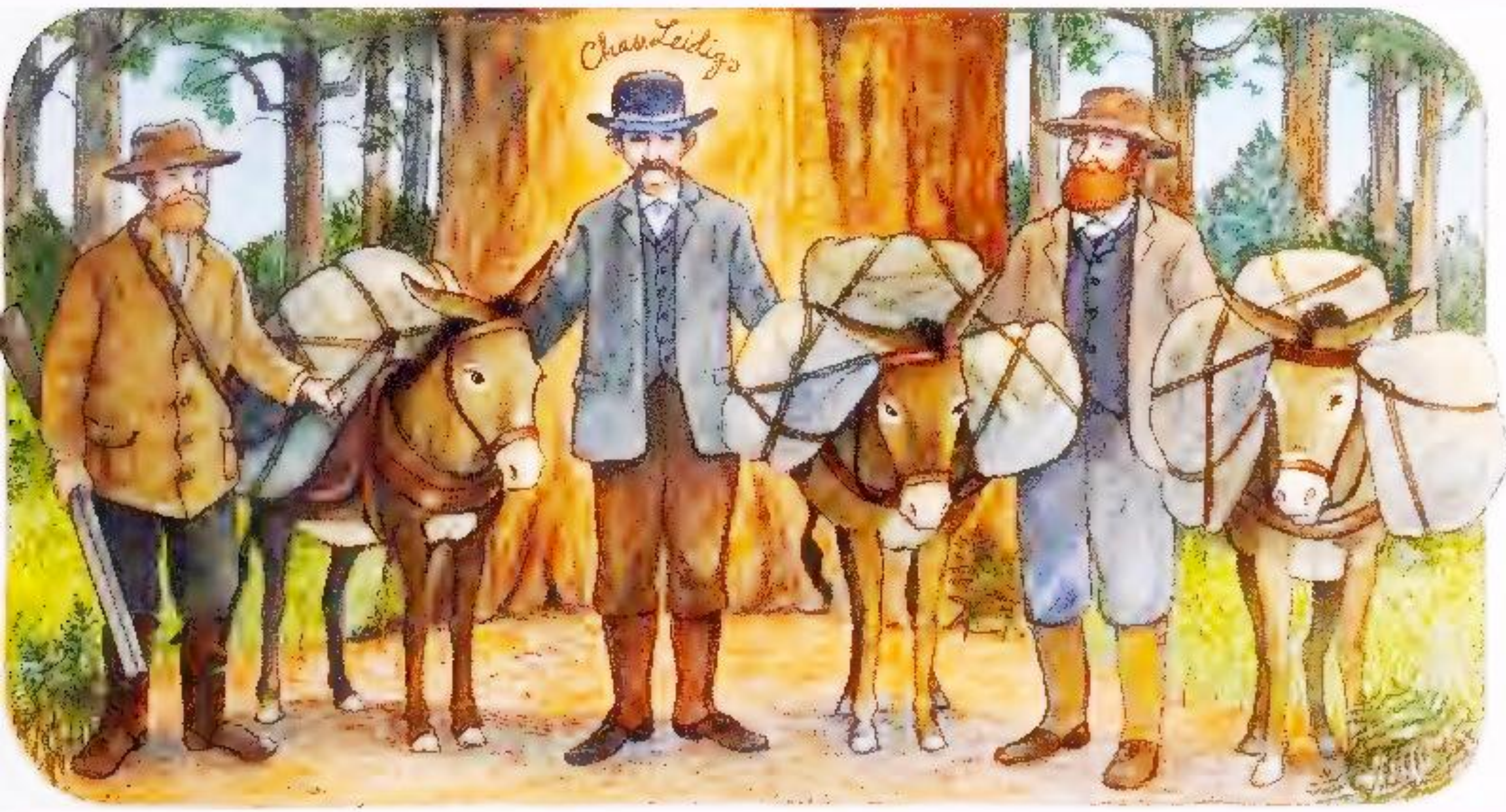


लोग मायूसी से चिल्लाए। पर किसीने दृढ़ इच्छाशक्ति वाले देश के नेता से बहस नहीं की। राष्ट्रपति ने हाथ हिला कर ख़बरनवीसों को विदा दी। गणमान्य व्यक्ति अपनी बग्घियों में सवार हुए और राष्ट्रपति को सलाम कर वापस चले गए।





आख़िर में राष्ट्रपति ने ख़ुफिया सेवाओं के अंगरक्षकों को दूर रहने का आदेश दिश। घोड़ों की नालें खनकीं, चमड़ा चरमराया। राष्ट्रपति ने सबको कस्बे के आँके-बाँके पथ पर नीचे उतरते देखा।




तीन व्यक्ति माल ढ़ोने वाले खच्चरों के पास खड़े थे। वे सरकारी वन रक्षक चार्ली लाइडिंग की निगहबानी में थे। चार्ली का परिवार योसेमिटी वादी में एक होटल चलाता था। वे आजीवन वहीं रहते व काम करते रहे थे। वे ही इस कैम्पिंग यात्रा की व्यवस्था करने के लिए सबसे सही व्यक्ति थे।





सदियों पुराने सिक्वोया वृक्ष रूज़वैल्ट को घेरे थे। उन्होंने अपना हाथ बढ़ा ग्रिजली जायन्ट की छाल को छुआ। उन्हें वह छाल स्पंज-सी लगी। वृक्ष की टेढ़ी-मेढ़ी शाखाएं आसमान की ओर उठी हुई थीं। वे इतनी वज़नदार थीं कि दोपहर की तेज़ हवाएं भी उन्हें हिला नहीं पा रही थीं।

जंगल में एक गिलहरी किटकिटाई। तब एक पाखी ने अपना गीत सुनाया। राष्ट्रपति ने इस उम्मीद से सीटी बजाई कि वे योसेमिटी के पाखियों को आकर्षित कर सकेंगे।

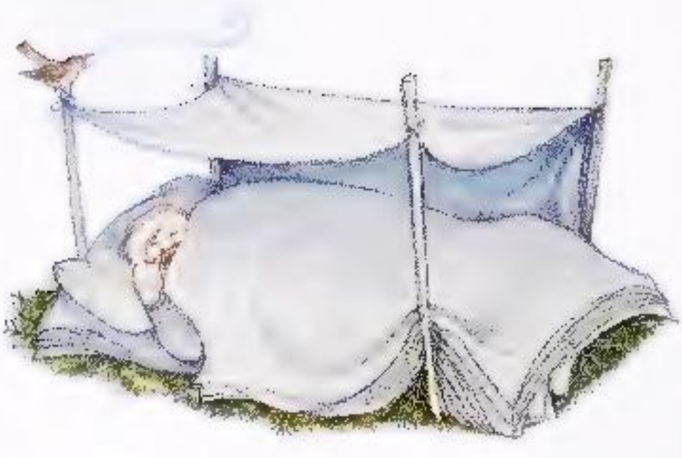


एक पेड़ की शाखा से एक रॉबिन (नारंगी-लाल छाती वाली छोटी चिड़िया) जंगल के फर्श पर उतरी और चोंच मारने लगी।

रूज़वैल्ट ने अपनी जेबी कॉपी निकाली, जो वे हमेशा अपने साथ रखते थे। उन्होंने उस पर लिखा "योसेमिटी का जंगली इलाका, मई 1903, रॉबिन।"

तब उन्होंने पहाड़ की ताज़ी हवा में गहरी साँस खींची। "नाउ दिस इज़ बुली!" (यह अद्भुत है!) वे चिल्लाए। "लड़कों चलो आग जलाएं।"





जब रूज़वैल्ट अगली सुबह जागे, उन्होंने हरमिट थ्रश (एकान्तवासी मध्यम आकार की, मीठा गाने वाली चिड़िया) को पहचान लिया। वह उनकी पसन्दीदा चिड़ियों में एक थी।

राष्ट्रपति भूखे थे। उन्होंने चार्ली के हाथों से फ्रायिंग पैन खींचा और जल्द ही जंगल में तले बेकन की खुशबू फैल गई। उन्होंने बेकन के पास ही छह अंड़ों की भुर्जी बनाई।

उन्होंने जम कर नाश्ता किया, वे व्हाइट हाउस के बावर्चियों से दूर खुश थे, जो हमेशा उनके खाने को ले परेशान रहते थे।



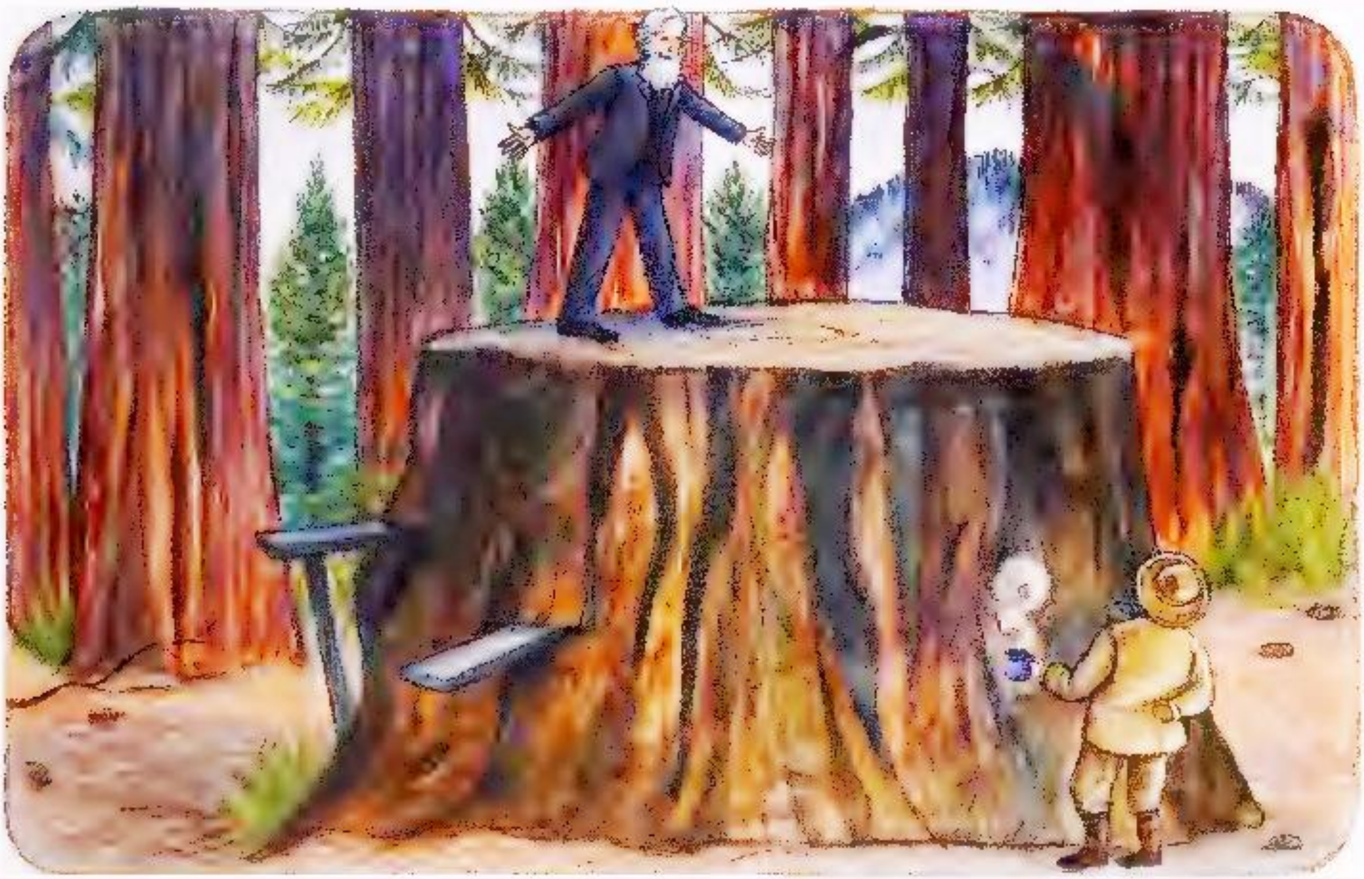
डबल रोटी के किनार को कुतर जॉन म्यूर ने सिक्वोया वृक्ष के एक शंकु को उठाया। उसे हिलाया। उसके नन्हे गहरे रंग के बीज, जो बर्फ के कणों से भी छोटे थे, बिखर कर बाहर आ गिरे। म्यूर ने समझाया कि ठीक ऐसे ही एक बीज से तकरीबन दो हज़ार सालों पहले ग्रिजली जायन्ट जन्मा था। कुंज के दूसरे वृक्ष भी लगभग उतने ही पुराने, कई सैंकड़ों साल के थे। सिक्वोया, म्यूर ने जोड़ा, सिएरा निवाडा के पश्चिमी ढ़लान पर उगते हैं, पर दुनिया में कहीं और नहीं।

रूज़वैल्ट की आँखें अचरज से फैल गईं।



कुछ ही पलों बाद म्यूर एक ताज़े काटे गए सिक्वोया वृक्ष के ठूंठ पर एक पहाड़ी बकरी की तरह चढ़ गए। एक पैंसठ साल के व्यक्ति के लिए म्यूर फुर्तीले हैं, रूज़वैल्ट ने सोचा।

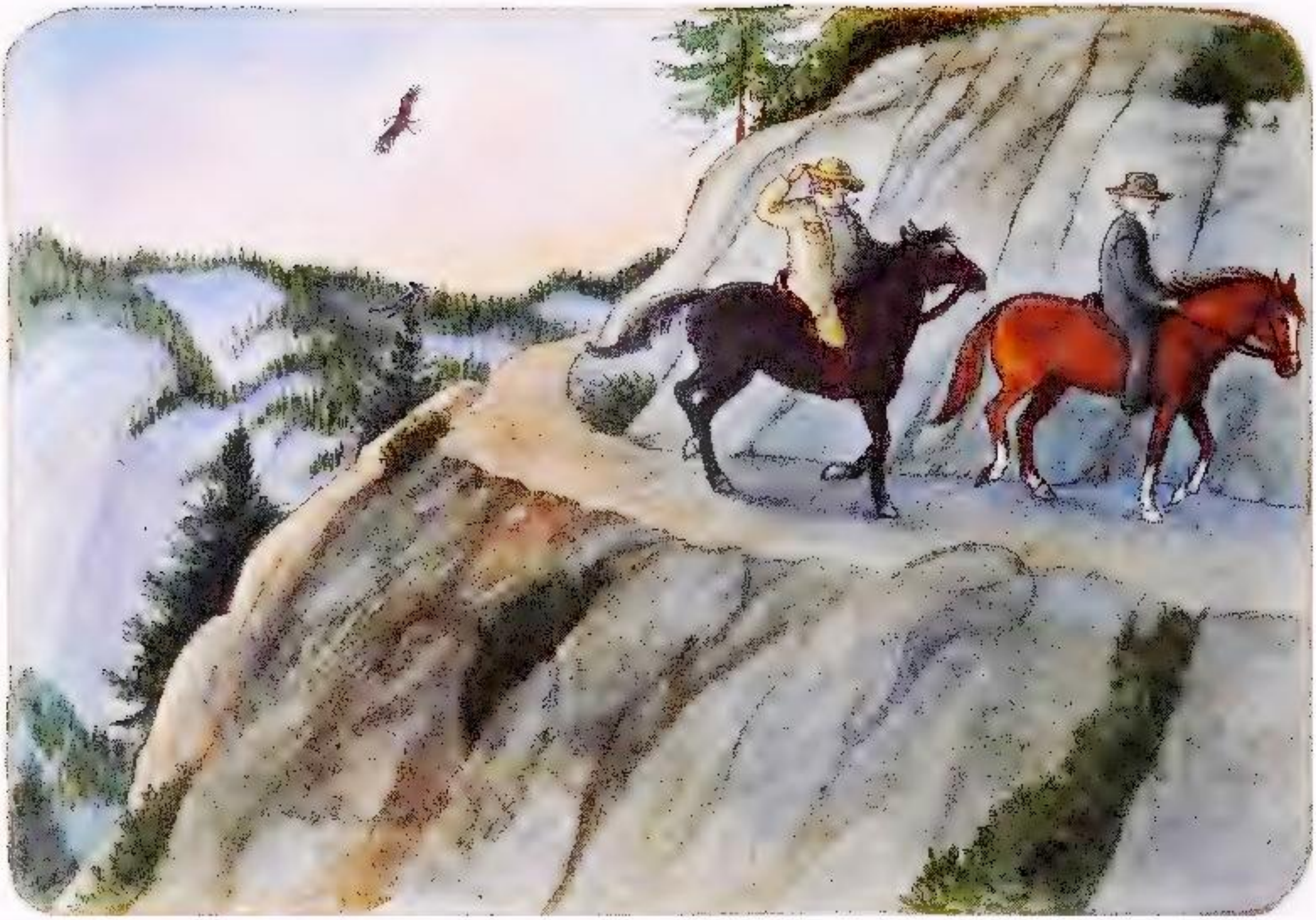
ठूंठ इतना चौड़ा था कि दर्जन से भी ज़्यादा लोग उस पर आसानी से खड़े हो सकते थे। म्यूर ने ज़ोर से बताया कि उस पेड़ को काटने में कई दिन लगे थे। जब वह धड़ाम से ज़मीन पर गिरा वह किरचों में बिखर गया था। दरअसल सिक्वोया की लकड़ी बाड़ें बनाने के अलावा किसी और काम में आती ही नहीं है। फिर भी लकड़हारे उसे काटने से बाज़ नहीं आते।



राष्ट्रपति ने असंतोष से अपना सिर हिलाया। कोई ऐसे पेड़ को काट भला कैसे सकता है, जो सदियों से बढ़ता रहा हो? और वह भी बाड़ों को बनाने के लिए? अगर यही हाल रहा तो भावी पीढ़ियाँ किसी सिक्वोया पेड़ को देख ही नहीं पाएंगी।



उन्हें मिस्टर म्यूर से जंगलातों के संरक्षण के बारे में बात करनी होगी। पर उस वक़्त आगे बढ़ने का समय था। राष्ट्रपति ने कड़क और गर्म कॉफी का आख़िरी प्याला पिया, जैसा उन्हें पसन्द था।



संकरे पथ पर बढ़ते हुए उनके घोड़े ने नाक फकफकाई और दाएं-बाएं डोला। राष्ट्रपति ने पीछे मुड़ कर देखा। कोई उनका पीछा तो नहीं कर रहा? क्या वे ख़ुफिया सेवा के अंगरक्षकों की चैकन्नी आँखों से सचमें बच निकले थे?

घंटों बाद दोनों ग्लेसियर पॉइन्ट पर पहुँचे जिसका दृश्य मनोहारी था। जब वे और म्यूर ग्लेसियर के किनारे पर लटकती चट्टान के छोर पर पहुँचे, गोल घूमती तेज़ हवाओं ने राष्ट्रपति के टोप को उड़ा ले जाने की कोशिश की।

योसेमिटी वादी उनके तीन हज़ार फीट नीचे थी। बल खाती धूसर-नीली मर्सेड नदी वादी के हरे फर्श पर बह रही थी।

चट्टानों की दीवार वादी को घेरे थी, जिसमें बीच-बीच में झरने थे। म्यूर ने योसेमिटी के ऊपरी और निचले झरनों की ओर संकेत किया जिनसे भाप उठ रही थी। साथ ही हाफ डोम (अर्ध गुम्बद) की खड़ी चट्टान की ओर भी। इस सबके परे ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी प्रदेश पसरा पड़ा था।



रूज़वैल्ट निःशब्द हो गए, जो वे अमूमन कभी होते नहीं थे।

अचानक ख़बरनवीस आ पहुँचे और सवाल दागने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए "राष्ट्रपति महोदय! राष्ट्रपति महोदय!" पुकारने लगे। हवा ने उनके शब्द पकड़े और उड़ा दिए। राष्ट्रपति का जबाड़ा अचानक भिंच गया। ये भला कहाँ से आ टपके थे?



एक बार फिर कैमरा थामे लोगों ने उन्हें घेर लिया था। राष्ट्रपति नाराज़ थे। बेहद नाराज़। वे अपने घोड़े की ओर बढ़े। "लड़कों इन्हें मुझसे दूर रखो!" इस बार रूज़वैल्ट ख़ुफिया सेवा के अंगरक्षकों को कुछ ही दूर देख खुश थे। वे लोगों से घिरे हुए अपना सफ़र भला कैसे जारी रख सकते थे?



सूर्यास्त के समय म्यूर ने कैम्पिंग के लिए एक नई जगह चुनी। राष्ट्रपति ने कुल्हाड़ी उठाई, लकड़ी चीरी और खुद ही आग जलाई। लकड़ी काटते समय उनके कपाल से पसीना टपक रहा था। जल्द ही आग अंधेरे में दमकने लगी। एक बार फिर रूज़वैल्ट ने चार्ली से फ्रायिंग पैन झपट लिया।



जब राष्ट्रपति माँस का कतला और भुने आलू खा रहे थे, म्यूर ने उन्हें "पहाड़ों के हरेक कुंज, हरेक जंगल के लिए सरकारी संरक्षण" की बात की। म्यूर ने आग्रह किया कि रूज़वैल्ट मारिपोसा के विशाल सिक्वोया वृक्षों के कुंज तथा राज्य द्वारा संचालित योसेमिटी वादी, जहाँ वे अगले दिन जाने वाले थे, समेत अन्य स्थानों में ज़मीन का प्रावधान करें।

रूज़वैल्ट इससे पहले कभी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिले थे जो प्रकृति के संरक्षण के महत्व पर इतनी बातें, इतनी तेज़ी से बोलता हो। उन्हें लगा कि म्यूर भोजन पर नहीं शब्दों पर जीते हैं। उन्होंने म्यूर को ध्यान से सुना। अचानक ऊपर पेड़ों से आवाज़ आई। वे चौंके। कहीं अंगरक्षक तो नहीं? तब एक दबी हंसी हंसे। राष्ट्रपति ने अपनी जेबी-कॉपी में लिखा, "उल्लू!"



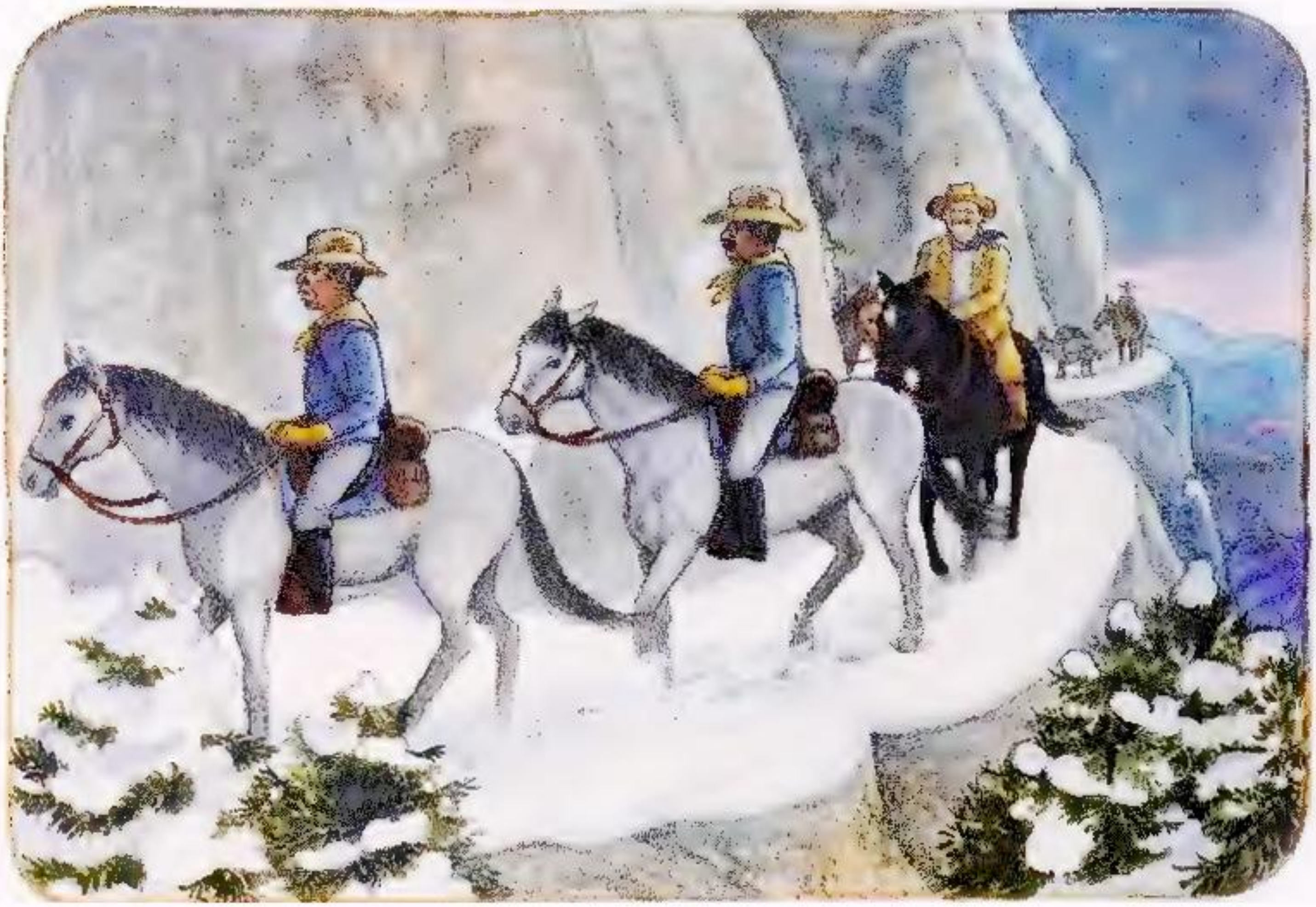




सुबह तक चार-पाँच इंच बर्फ ने उन्हें ढ़क दिया था।



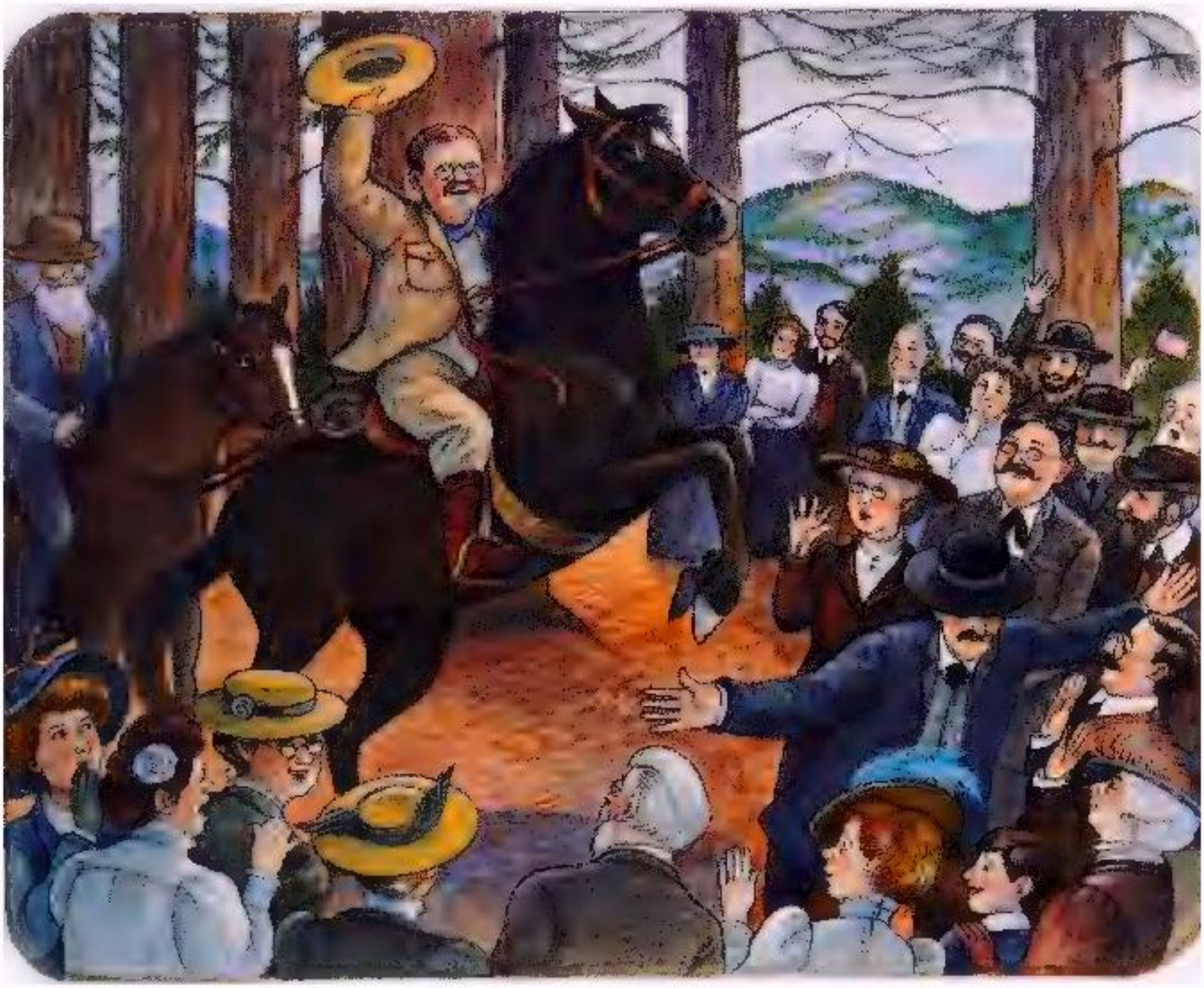
"यह तो और भी अद्भुत है! मैं किसी हालत में इससे नहीं चूक सकता था," राष्ट्रपति अपने कम्बल से बर्फ झाड़ते हुए बोले। उन्होंने अलाव की रोशनी में दाढ़ी बनाई, अपनी मूंछें छांटीं और उन्हें मोम लगा नोक दी।



उस सुबह वे ग्रेनाइट की खड़ी दीवारों से सटे संकरे पथ पर बढ़े। देर दोपहर धूल से सना यह समूह योसेमिटी गाँव पहुँचा, जो तम्बुओं और लकड़ी से बनी इमतारतों का संकुल भर था।

इन्तज़ार करती भीड़ ने राष्ट्रपति का ज़ोरदार स्वागत किया। उनसे हाथ मिलाने की उम्मीद में लोग आगे बढ़े। राष्ट्रपति अपने घोड़े से उतरे।

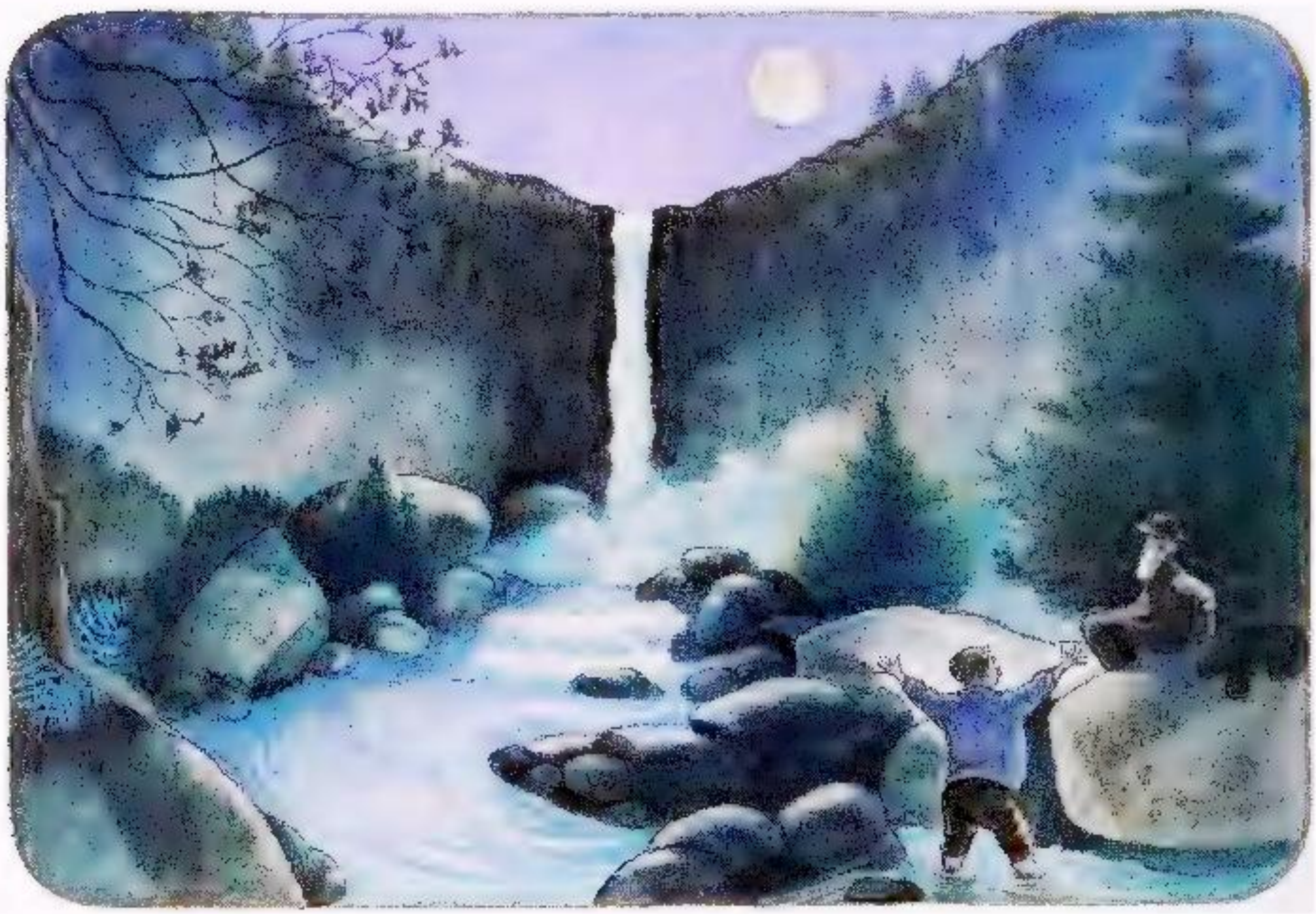
''मैं और मिस्टर म्यूर कल रात बर्फ के तूफ़ान में सोए थे। यह दिन मेरी ज़िन्दगी का सबसे शानदार दिन था! एक ऐसा दिन जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा। ज़रा सोचिए कि कल मैं कहाँ था - वहाँ ऊपर'' और उन्होंने हाथ उठा ग्लेसियर पॉइन्ट की ओर इशारा किया - ''देवदार और रुपहले सोनोबर वृक्षों के बीच.. बिना तम्बू के!''



राष्ट्रपति ने अपना टोप हिलाया, ''अब मिस्टर म्यूर और मैं ब्राइडलवेल प्रपात के पास अपना तम्बू गाड़ेंगे।'' इतना कह वे अपने घोड़े पर सवार हुए। घोड़ा अचानक पीछे हटा और उसने अपनी अगली टांगें हवा में उठाईं। चार्ली ने मुस्तैदी से भीड़ को पीछे हटाया।



अपनी पूंछ फटकारते माल ढ़ोने वाले खच्चर शिविर स्थल के पास खड़े थे। सूर्यास्त के बाद हवा ठंड़ी हो चली थी। अचानक एक खच्चर हिनहिनाया। टहनियाँ चटकीं। चार्ली को लगा कि कोई पीछा करता उनके पास चला आया है। सो वह अंधेरे में गायब हो गया। उसने कुछ ही दूरी पर इन्तज़ार करते प्रशंसकों को समझाया कि राष्ट्रपति थक चुके हैं इसलिए उन्हें वापस लौट जाना चाहिए। "वे लौट गए, कुछ तो दबे पाँव, ताकि राष्ट्रपति को परेशान न करें," चार्ली ने बाद में रूज़वैल्ट को बताया।

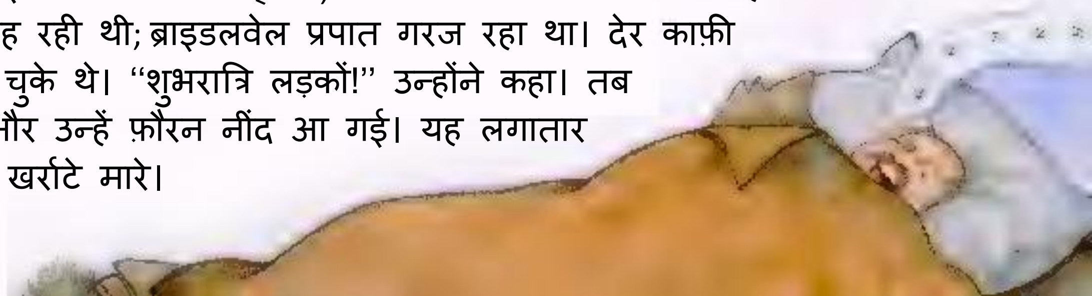


जब चाँद आसमान में उठा राष्ट्रपति ने अपने जूते उतारे। अपनी पतलून ऊपर चढ़ाई और बर्फीली धारा में चले। रूज़वैल्ट ने म्यूर को चीख कर आवाज़ दी। वे "किसी स्कूल से छूट निकले लड़के की मानिंद खुश थे।"



जब दोनों पर्णागों और देवदार की शाखाओं से बने अपने बिछौनों पर लेटे, तब भी वे प्राकृतिक संसाधनों की बर्बादी पर बात कर रहे थे। इस बार राष्ट्रपति अधिकतर म्यूर को सुनते रहे। वे म्यूर के इस सुझाव का सम्मान करते थे कि देश भर की प्राकृतिक सम्पदा की सुरक्षा करना बेहद महत्वपूर्ण है।

ऊपर एल कप्तान (ग्रेनाइट की विशाल चट्टान) रात के प्रकाश में जगमगा रहा था। मर्सेड नदी धीमी गति से बह रही थी; ब्राइडलवेल प्रपात गरज रहा था। देर काफ़ी हो चुकी थी। रूज़वैल्ट थक चुके थे। "शुभरात्रि लड़कों!" उन्होंने कहा। तब वे अपने कम्बल में दुबके और उन्हें फ़ौरन नींद आ गई। यह लगातार तीसरी रात थी, जब उन्होंने खर्राटे मारे।





पर जल्द ही वादी में सूरज का प्रकाश फैला। राष्ट्रपति की घोड़ों से जुती बग्घी उनके आधिकारिक दल को ले आई थी।

"यह अद्‌भुत था!" राष्ट्रपति ने जॉन म्यूर से हाथ मिलाते कहा। "मैंने अपने जीवन का सबसे अच्छा वक़्त बिताया।"



वे अपनी बग्घी पर सवार हुए और म्यूर की ओर झुके, "अलविदा जॉन। वॉशिंगटन आकर मुझसे मिलो।"

तब उन्होंने जॉन को इशारे से पास बुलाया। "धीरज रखना, कांग्रेस मेरे लम्बे भाषणों के दौरान सोती है। पर मैं वादा करता हूँ कि मैं उन्हें जगा दूँगा।"

कैसी जादुई जगह है यह, रूज़वैल्ट ने आखिरी बार चारों ओर नज़र डालते सोचा। वे खुश थे कि वे योसेमिटी आ सके। वे जॉन म्यूर के साथ की गई कैम्पिंग के बाद जीवन्त महसूस कर रहे थे। वॉशिंगटन लौटने के बाद रूज़वैल्ट "कुछ जंगल भलाई" कर सकेंगे," बुज़ुर्ग प्रकृतिवादी ने कहा।



जब उनकी बग्घी वादी के गिर्द घूमती बढ़ रही थी रूज़वैल्ट ने हर दिशा में घूर कर देखा।

वे अपनी तमाम स्मृतियों की, अर्ध गुम्बद, हिमनद की चट्टानों पर पड़ती सूरज की रोशनी, योसेमिटी के गरजते झरनों, हिरनों के चरने, और योसेमिटी में जलाए अलावों की गंध का मज़ा लेना चाहते थे। तब उन्होंने एक हाथ हिला योसेमिटी से अंतिम विदा ली।

कुछ ही पलों में वे धूल के गुबार में ओझल हो गए।

# कथा के मुख्य पात्र

## थियोडोर रूज़वैल्ट

1858 में न्यू यॉर्क शहर में जन्मे थियोडोर रूज़वैल्ट, बचपन में गंभीर अस्थमा (दमा) के रोगी थे। उन्हें पढ़ने का शौक चर्राया और प्राकृतिक विज्ञान में गहरी रुचि विकसित हुई। वे चिड़ियों के घोंसले, खेपड़ियों, कुछुओं के खोलों जैसी तमाम चीज़ें इकट्ठी करने लगे। उनकी यों इकट्ठी की गई हज़ारों चीज़ें, जिनमें पूरी तरह बचे हुए कंकाल और खालें भी शामिल थीं, उनके रूज़वैल्ट म्यूज़ियम ऑफ नैचरल हिस्ट्री का हिस्सा बनीं। यह संग्रहालय उनके पारिवारिक घर की चैथी मंज़िल पर था। बाद में उन्होंने अपने इस संग्रह को अमेरिकन म्यूज़ियम ऑफ नैचरल हिस्ट्री को दान कर दिया।

टैडी की पसन्दीदा क़िताबें पशु-पक्षियों के बारे में थीं। उन्हें अपने परिवार के साथ एडिरॉनडैक्स (न्यू यॉर्क के उत्तर-पूर्व की संरक्षित पर्वतमाला) और बाद में मेन की यात्रा करना अच्छा लगता था। बचपन में और वयस्क होने के बाद भी उन्हें दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पशुओं का शिकार करने का शौक था। हार्वर्ड कॉलेज में अध्ययन करने के दौरान उन्होंने प्राकृतिक इतिहास पढ़ा और नटल ऑरिन्थोलॉजिकल (पक्षी विज्ञान) क्लब से जुड़े। युवावस्था में भी वे जंगल व विस्तृत खुले स्थानों की आत्मा का सार्थक वर्णन कर सकते थे, क्योंकि उन्हें प्रकृति से बेइन्तहा प्यार था।

1884 में अपनी पहली पत्नी की मृत्यु के बाद रूज़वैल्ट डकोटा क्षेत्र में अपने बड़े रैंच (पशु फार्म) में आ बसे, जहाँ वे अपना दिन बाहर खुले में बिताते थे। 1978 में इस रैंच की सत्तर हज़ार एकड़ ज़मीन और साथ ही मॉल्टीज़ क्रास केबिन, जो उनका वहाँ का पहला घर था, थियोडोर रूज़वैल्ट नैशनल पार्क का हिस्सा बने।

1887 में रूज़वैल्ट ने “बून एण्ड क्रॉकेट” नाम से शिकारियों की एक वन संरक्षण संस्था की स्थापना में मदद की। यह संस्था प्राकृतिक जगत को बचाए रखना चाहती थी। रूज़वैल्ट ने दुनिया भर में अपने शिकार के अनुभव पर तीन पुस्तकें लिखीं। बाद में रूज़वैल्ट ने लिखाः ‘‘जब जंगली पशुओं का संरक्षण अधिकाधिक आवश्यक बनता जा रहा है, हमें उम्मीद करनी चाहिए कि बन्दूक की जगह कैमरा ले लेगा।’’

रूज़वैल्ट न्यू यॉर्क शहर में कई सार्वजनिक पदों पर रहे। इसके बाद वे न्यू यॉर्क के गवर्नर बने। उन्हें बाद में अमरीका के उप-राष्ट्रपति के पद पर चुना गया। 1901 में जब राष्ट्रपति विलियम मैकिनली की हत्या कर दी गई, थियोडोर रूज़वैल्ट को 42 वर्ष की आयु में राष्ट्रपति पद की शपथ दिलवाई गई। वे न्यू यॉर्क के ऑयस्टर-बे के सैगामो हिल्स स्थित अपने घर से, अपनी दूसरी पत्नी एडिथ व बच्चों के साथ व्हाइट हाउस आए।

सीक्रेट सर्विस जिसकी स्थापना 1865 में जाली नोटों की समस्या से निपटने के लिए की गई थी, उसकी दिशा बदली गई। 1902 में उसे राष्ट्रपति की सुरक्षा की ज़िम्मेदारी सौंपी गई।



# जॉन म्यूर

जॉन म्यूर का जन्म स्कॉटलैण्ड में 1838 में हुआ था। ग्यारह वर्ष की आयु में वे परिवार के साथ अमरीका चले आए थे। विस्कॉन्सिन के पोर्टज़ स्थित परिवार के खेत में नन्हा जॉनी जंगल में चिड़ियों को गाते सुना करता था। वह "प्रकृति के आनन्द व स्वच्छन्दता" का सुख लेने का समय भी निकालता। ताल में तैरते मेंढकों को देख उसने खुद को तैरना सिखाया था और यह भी खोज लिया था कि जल के नीचे की दुनिया का अध्ययन कैसे किया जाता है। रात में जॉन नई-नई चीज़ों के आविष्कार में समय लगाता। इन आविष्कारों में ऐसा पलंग भी शामिल था, जो जागने का समय होने पर उसे बिस्तर से नीचे लुढ़का देता था।

बाद में जॉन ने "जो भी जगह जंगली पड़ी हो उसकी छानबीन" करने के मकसद से घर छोड़ा। वे अपनी तीसवीं सालगिरह से कुछ ही पहले कैलिफोर्निया पहुँचे। क्योंकि उन्हें शहर नापसन्द थे, उन्होंने सान फ्रांसिस्को छोड़ा और पूर्व दिशा में तब तक चलते गए, जब तक वे सिएरा नेवाडा में योसेमिटी वैली न पहुँच गए!



वहाँ म्यूर अक्सर अकेले ही पहाड़ों की कई दिनों या सप्ताहों यात्रा के लिए निकल जाते। रात में वे किसी धारा के क़रीब चट्टान पर या किसी पेड़ के खोखले तने में सोते। ऐसा करते वक़्त "हम अजाने ही शाला में ही थे," उन्होंने बाद में लिखा। "प्रकृति हम तक बहती चली आती थी, लुभाते-रिझाते सिखाती थी, अपने जीवन्त पाठों का उपदेश देती थी.."

उन्होंने अपने कैलिफोर्निया पशु फार्म में, जहाँ वे अपनी पत्नी लूई व दो बेटियों के साथ रहते थे, पत्रिकाओं के लिए लेख लिखे। वे खेती करते और वन भूमि संरक्षण की आवश्यकता पर लिखते। अपने निरंतर लेखन के कारण वे दुनिया भर में मशहूर हो गए।

उनके जीवन के जीवन का सबसे खुशनुमा दिन वह था, जब उन्होंने अपने मित्रों के साथ सिएरा क्लब की स्थापना की। जॉन को इसका प्रथम अध्यक्ष चुना गया। आगे चल कर यह क्लब पश्चिमी जगत का सबसे प्रभावशाली और मज़बूत पर्यावरण संरक्षण समूह बना।



# मंच

योसेमिटी राष्ट्रीय उद्यान केलिफोर्निया की सबसे ऊबड़-खाबड़ पर्वत श्रृंखला है। यह सान फ्रांसिस्को के पूर्व में तकरीबन दो सौ मील दूरी पर स्थित है। आज यह उद्यान बारह सौ वर्ग मील के क्षेत्र में पसरा है। योसेमिटी वादी सात मील लम्बी है और कई स्थानों पर मील भर चौड़ी है। इसकी रचना लाखों वर्ष पहले, धीमी गति से बहने वाले हिमनदों से हुई, जिन्होंने चट्टानों को तराशा। जॉन म्यूर के शब्दों में "स्वर्ग के किसी भी वर्णन, जिसे मैंने पढ़ा है, इससे (योसेमिटी से) आधा भी सुन्दर नहीं लगता।" यहाँ घास के पसरे मैदान, ऊँची चट्टानें, पत्थर के गुम्बद, तेज़ बहती नदियाँ, झरने, हिमनद और भी बहुत कुछ है।

मारीपोसा का विशाल सिक्वोया वृक्षों का कुंज योसेमिटी उद्यान के दक्षिणी छोर पर है। इसमें तबरीबन पाँच सौ सिक्वोया वृक्ष हैं, दुनिया भर में पाए जाने वाली जीवित वस्तुओं में सबसे बड़े हैं। इनमें सबसे पुराना ग्रिज़ली जायन्ट, विश्व का सबसे बड़ा सिक्वोया वृक्ष है, जो अब भी लगातार बढ़ रहा है!

